6.मुगलों और यूरोप वासियों का भारत में आगमन

- मुगलों के उत्तर भारत पर विजय प्राप्त करने के पूर्व दिल्ली से शासन करने वाले राजवंशों में लोदी वंश का अंतिम था |

बाबर

- सन 1526 ई० में पानीपत के प्रसिद्ध मैदान में एक युद्ध हुआ जिसमे बाबर ने लोदी सुल्तान की सेना को पराजित कर दिया|
- वह प्राकृतिक सौंदर्य से बहुत प्रभावित होता था साथ ही उसको पोलो खेलने में बड़ा आनंद आता था|

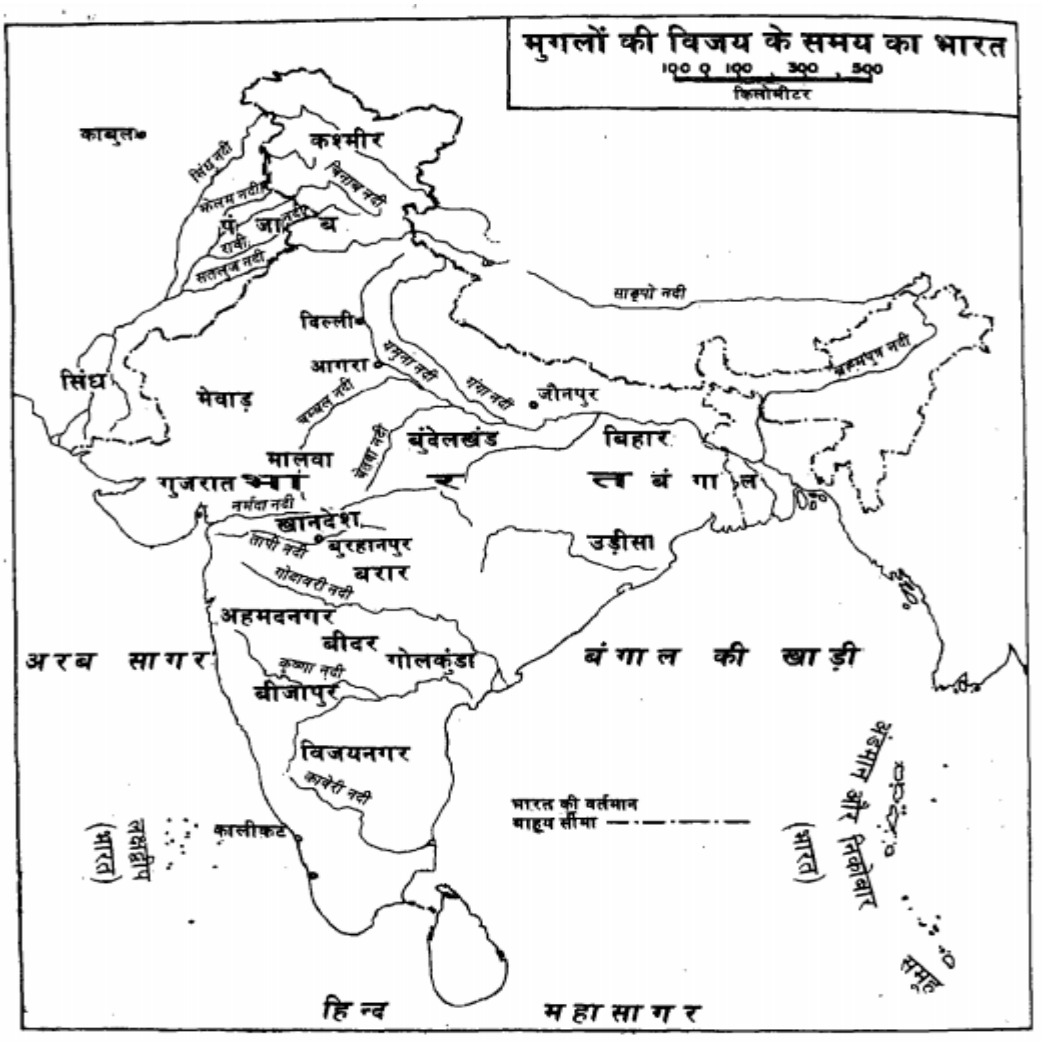

हुमायूँ

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- यद्यपि बाबर ने भारत के एक क्षेत्र की विजय करके मुगल वंश के शासन की स्थापना कर दी थी किंतु वह शत्रुओं से उसको सुरक्षित बनाने के लिए बहुत अधिक समय तक जीवित नहीं रहा|
- अफगान सरदार जो अब भी मुगलों को भारत से निकाल देना चाहते थे, नवनिर्मित साम्राज्य पर आक्रमण कर रहे | गुजरात का शासक बहादुर शाह भी दिल्ली पर आक्रमण करने की ताक में था| वह गुजरात और मालवा के प्रांतों की विजय करने में तो सफल हुआ पर पश्चिमी भारत पर अपना अधिकार स्थापित ना कर सका|
- इस समय शेरशाह ने हुमायूं के साथ दो लड़ाइयां लड़ी और दोनों में ही हुमायूँ की पराजय हुई पंजाब और काबुल में शासन करने वाले उसके भाई ने भी उसकी सहायता नहीं की|
- मुगलों को उत्तर भारत छोड़ देना पड़ा इस प्रकार बाबर का विजय किया हुआ राज्य हुमायूँ के हाथों से निकल गया|

शेरशाह

- इसका असली नाम फरीद था|
- हुमायूँ को पराजित करने के बाद वह भारत का बादशाह बन बैठा | उसकी अभिलाषा केवल भारत का शासक बनने की ही नहीं थी बल्कि वह एक योग्य शासक बनना चाहता था|
- वह अलाउद्दीन की नीतियों से बहुत प्रभावित हुआ विशेषकर उसकी सेना संगठन तथा लगान वसूल करने की नीति से|
- सुल्तान होते ही उसने अपनी सेना का संगठन किया और अपनी सैनिक शक्ति को बढ़ा लिया| उसने अधिकारियों को नियमित रूप से वेतन देने पर जोर दिया| साथ ही किसानों को बहुत अधिक लगाना देना पड़े इसलिए उसने उचित लगान निश्चित करने के लिए अपने राज्य की सारी भूमि को नए ढंग से बंदोबस्त किया|
- अलाउद्दीन के शासनकाल की भांति उसने भूमि की नाप कराकर लगान निश्चित किया|
- शेरशाह को अपनी सड़कों पर विशेष गर्व था| उत्तरी भारत से बंगाल तक मौर्यों की बनवाई हुई सड़क फिर से मरम्मत कराई गई| आधुनिक काल की पेशावर से कलकत्ता तक की ग्रैंड ट्रंक रोड इसी का नया रूप है|
- शेरशाह ने ही एक नए सिक्के 'रुपया' का चलन आरंभ किया जो आज तक प्रचलित है|

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- सन 1545 ईस्वी में कार्लिजर के घेरे में उसके चेहरे के सामने बंदूक फट गई और इसी दुर्घटना में उसकी मृत्यु हो गई और उसकी मृत्यु हुमायूँ के लिए वरदान सिद्ध हुई|
- हुमायूँ ने इस सुअवसर को देखा और उसने दिल्ली के सिंहासन को फिर से प्राप्त करने का प्रयत्न आरंभ कर दिया| फारस के सफावी वंश के शासक की सहायता से हुमायूं ने कंधार को जीत लिया और काबुल पर फिर से अपना अधिकार स्थापित कर लिया|
- सन 1555 में पंजाब को जीत कर उसने दिल्ली और आगरा पर अधिकार कर लिया और इस प्रकार से फिर से भारत में मुगलों के साम्राज्य की स्थापना हो गई|

बहमनी राज्य

- 15वीं शताब्दी में बहमनी राज्य की उन्नति हुई इसका श्रेय मंत्री महमूद गवां के कुशल शासन को दिया जाता है| उसने बहमनी सुल्तानों को कौशल और बुद्धिमानी से न्यायपूर्ण शासन चलाने की सलाह दी|
- बहमनी सुल्तान के दरबार में दो दल थे एक तो स्थानीय मुसलमानों का था दक्षिण भारत के रहने वाले थे और दूसरा दल महमूद गवां जैसे मुसलमानों का था जो विदेश से आए थे और सुल्तानों की नौकरी करने लगे थे|
- सन 1481 ई० में स्थानीय दल के लोगों ने सुल्तान को महमूद गवां की हत्या करवाने के लिए राजी कर लिया| गवां एक योग्य मंत्री था| अतः उसकी हत्या से बहमनी राज्य को बड़ी क्षति पहुंची| और राज्य का शासन कमजोर हो गया था|
- परिणामस्वरूप बहमनी राज्य 5 नए राज्य में विभाजित हो गया यह बीजापुर, गोलकुंडा, अहमदनगर, बीदर और बरार के राज्य थे|

विजयनगर राज्य

- 15वीं शताब्दी के अंत में महमूद गवां की मृत्यु के पश्चात जब बहमनी राज्य का पतन हो रहा था विजयनगर साम्राज्य बड़ा शक्तिशाली हो गया| इस समय विजयनगर राज्य का शासक कृष्णदेव राय था | उसने सन 1509 से 1530 ईसवी तक शासन किया |
- कृष्णदेव राय ने व्यापार से विजयनगर राज्य को समृद्धिशाली बनाने के लिए पश्चिम एशिया और दक्षिण पूर्वी एशिया के व्यापार पर अपना नियंत्रण किया |

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- वह अपने राज्य में कृषि की उन्नति के लिए भी प्रयत्नशील रहा जिससे प्रजा को अधिक अन्न प्राप्त हो और राज्य को अधिक लगान मिले | इसके लिए विस्तृत सिंचाई योजना की आवश्यकता थी इसलिए उसने बड़े बांध बनवाएं|
- कृष्णदेव राय ने तेलुगू में एक लंबे काव्य 'अमुक्तमाल्यदा' की रचना की|

दक्षिण के 3 राज्य

- सन 1530ई० में कृष्णदेव राय की म्रत्यु के साथ ही विजयनगर राज्य का पतन आरंभ हो गया|
- दक्षिण भारत के उत्तरी क्षेत्र के 3 राज्य अहमदनगर, गोलकुंडा और बीजापुर विजयनगर पर आक्रमण करने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहे थे और यह अवसर 1565 ईस्वी में आया जब इन राज्यों ने मिलकर तालीकोट की लड़ाई में विजयनगर को पराजित किया|
- अतः मुगल राज्य का दक्षिण की ओर विस्तार बढ़ने से दक्षिण के ये राज्य नष्ट हो गये|

भारत और यूरोप

- 15वीं शताब्दी के अंत में एक नितांत भिन्न प्रकार के लोग बड़े-बड़े जहाजों में भारत के पश्चिमी समुद्र तट पर आए ये पुर्तगाल थे|
- सन 1498ई० में वास्कोडिगामा का पहला पुर्तगाली जहाज भारत के समुद्र तट पर पहुंचा| पुर्तगाली व्यापार करने के लिए भारत आए | गोवा उनका प्राचीन उपनिवेश था जिसको पुर्तगालियों ने 1510 ईसवी में प्राप्त किया था|
- यूरोप से भारत आने वाले व्यापारियों में पुर्तगाली ही सबसे पहले नहीं थे व्यक्तिगत रूप से यूरोपीय व्यापारी व्यापार करने के लिए भारत के विभिन्न भागों की यात्रा पहले भी कर चुके थे | वेनिस का यात्री मार्को पोलो दक्षिण भारत आया था, निकितिन रूस से आया था और उसने दक्षिण भारत की यात्रा की थी|

यूरोप में पुनर्जागरण

- 15 शताब्दी में इटली में पुनर्जागरण हुआ जिसको 'रिनैसां' कहा जाता है| रिनैसां आंदोलन में लोगों के मन में यूरोप की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति के प्रति रुचि उत्पन्न हुई| लोगों का ध्यान ईसाई धर्म के आरंभ होने से पूर्व की यूनान और रोम की सभ्यता और संस्कृतियों की ओर गया|

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- इन सभ्यताओं के इतिहास, दर्शन, साहित्य और कलात्मक उपलब्धियों का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया गया| इस अध्ययन के परिणामस्वरूप नवीन विचार शैलियों का विकास हुआ| पहले लोग ईसाई चर्च के द्वारा दिए गए इन प्रश्नों के उत्तर को स्वीकार कर लेते थे पर अब वे अन्य उत्तरों की खोज करने लगे| इस प्रक्रिया से आधुनिक विज्ञान का जन्म हुआ|
- 15 शताब्दी में कोपर्निकस ने एक नया क्रांतिकारी सिद्धांत संसार के सामने रखा उसने यह सिद्ध करने का प्रयत्न किया कि सूर्य ब्रह्मांड का केंद्र है और पृथ्वी तथा अन्य ग्रह उसके चारों ओर चक्कर काटते हैं|
- 17वीं शताब्दी के आरंभ में इटली के ज्योतिषी और वैज्ञानिक गैलीलियो ने इसी तथ्य को सिद्ध किया| दूरबीन का आविष्कार उन्हींदिनों हुआ था| उसने दूरबीन से सूर्य और अन्य ग्रहों को देखा फिर अपने इस निष्कर्ष पर पहुंचा|
- वह व्यक्ति जिसको प्राय: रिनैसां आन्दोलन का प्रतीक मन जाता है लियानार्डो द विन्सी था| इसने विज्ञान में रूचि होने के कारण मशीनों का आविष्कार किया जिसमे उड़ने वाली मशीन के आविष्कार का प्रयत्न उसका सबसे अधिक रोमांचक प्रयोग था|

अनुसन्धान का युग

- स्पेन के निवासी इस क्षेत्र में बहुत पीछे नहीं रहे| सन 1492ई० प्रसिद्ध यात्री क्रिस्टोफर कोलंबस पश्चिम की ओर यात्रा आरंभ कर वेस्ट इंडीज के द्वीपों तक जा पहुंचा|
- सन 1497 ई० में अमेरिगो वेस्पुस्सीने भी अमरीका की यात्रा की|
- स्पेन निवासियों ने अमेरिका में दो बड़ी महान सभ्यताओं की खोज की एक मक्सिको की एजटेक्स सभ्यता थी और दूसरी पेरू की इनकैस सभ्यता|
- यूरोप निवासियों ने अरब निवासियों के दो यंत्रों का प्रयोग किया यह वेधयंत्र तथा क्वाद्रांत(चतुर्थांश) थेजिनकी सहायता से किसी निश्चित स्थान के देशांतर की नाप की जाती थी|

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- पुर्तगालियों ने अनेक प्रकार के पालो के प्रयोग आरंभ किए और अंत में उन्होंने घूमने वाले पाल का आविष्कार किया जिसको वायु की दिशा के अनुसार ठीक किया जा सकता था| पुर्तगालियों ने ही सबसे पहले अपने जहाजों में अच्छी किस्म की तोपें लगाईं और इस प्रकार अपनी लड़ने की शक्ति को बढाया|

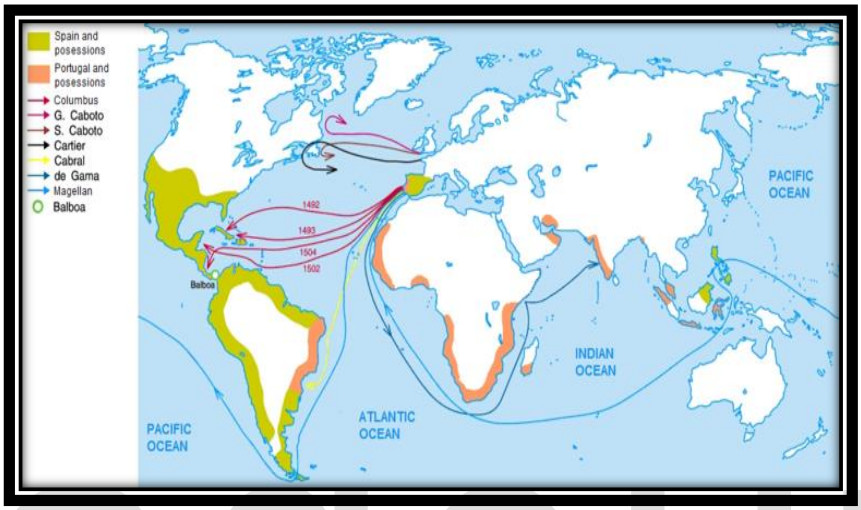

धर्म सुधार आन्दोलन और उसकी प्रतिक्रिया

- पुनर्जागरण युग तक यूरोप का सबसे अधिक प्रभावशाली धर्म ईसाई धर्म था इस समय तक इसाई धर्म दो भागों में विभाजित हो चुका था| एक रोमन कैथोलिक धर्म दूसरा यूनान का परंपरावादी इसाई धर्म| यूनानी परम्परावादी धर्म का केंद्र कुस्तुततुनिया था और रोमन कैथोलिक धर्म का केंद्र रोम था|
- चर्च का सबसे बड़ा नेता पोप कहलाता था| यह सारे मध्य युग में पोप राजनीतिक तथा धार्मिक मामलों में सबसे अधिक शक्तिशाली था| कोई पोप के अधिकारों का विरोध नहीं कर सकता था|
- पुनर्जागरण युग के नवीन विचार लोगों की विचारधारा को प्रभावित करने लगे| और धीरे-धीरे चर्च और पोप के अधिकारों को चुनौती दी जाने लगी| साथ ही नई खोजो और नए ज्ञान को महत्व दिया जाने लगा|
- रोमन कैथोलिक चर्च के विरुद्ध भावनाएं शक्तिशाली होती गई और अंत में बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने उससे अपना संबंध विच्छेद कर लिया| मार्टिन लूथर, इरैस्मस,जान

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

कैल्विन, जैसे ईसाई धर्मशास्त्रियों ने चर्च को त्याग दिया| 16वीं शताब्दी के आरंभ में चर्च से संबंध विच्छेद ने एक नवीन इसाई दल का निर्माण किया जो प्रोटैसटैंट कहलाया|

gradeup

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now